मेरी वृन्दावन ससुराल | Kemita Rathore

राणा थारी नगरी में पायो घणो कलेश
म्हारो पीव तो सांवरो वृन्दावन म्हारो देश

मेरी वृन्दावन ससुराल संभाल राणा तेरी नगरी
तेरी नारी रे राणा तेरी नगरी .....
मेरी वृन्दावन ससुराल संभाल राणा तेरी नगरी

सुख वैभव तेरो तुझको मुबारक
मेरे लिए तो राणा ये हानिकारक
मोहे डसे तेरो घर द्वार, संभाल राणा तेरी नगरी
मेरी वृन्दावन ससुराल संभाल राणा तेरी नगरी

कृष्ण नाम अति मीठो लागे
दुनिया को रंग फीको लागे
मोहे ना भावे ससार संभाल राणा तेरी नगरी
मेरी वृन्दावन ससुराल संभाल राणा तेरी नगरी

गढ़ चित्तौढ़ मैं तो छोड़ के जाउंगी
कुछ गलिन में मैं श्याम श्याम गाउंगी
वहां भगतो की भरमार संभाल राणा तेरी नगरी
मेरी वृन्दावन ससुराल संभाल राणा तेरी नगरी

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%80-%e0%a4%b5%e0%a5%83%e0%a4%a8%e0%a5%8d%e0%a4%a6%e0%a4%be%e0%a4%b5%e0%a4%a8-%e0%a4%b8%e0%a4%b8%e0%a5%81%e0%a4%b0%e0%a4%be%e0%a4%b2-kemita-rathore/